सीएसआर से सिर्फ समाज को ही नहीं, कंपनी को भी उतना ही फायदा : रवि भटनागर

पटना (आससे)। सेंटर फॉर सीएसआर स्टडीज, सीआईएमपी के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस %इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी इंक्लूसिव डेवलपमेंट एंड वेलफेयर (ICCSR 2021) आज संपन्न हो गया। कांफ्रेंस के दूसरे दिन के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ राणा सिंह ने किया। तृतीय तकनीकी सत्र में कुल 7 पेपर प्रस्तुत किए गए। तकनीकी सत्र के उपरांत एक पैनल परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें रैकिट्ट बेंकाइजर के निदेशक- सीएसआर रवि भटनागर, इंडिया सीएसआर के फाउंडर रूशेन कुमार एवं संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ राणा सिंह शामिल हुए। परिचर्चा का विषय- द चेंजिंग इंपरेटिव ऑफ सीएसआर पोस्ट कोविड एरा%। परिचर्चा का संचालन सेंटर फॉर सीएसआर स्टडीज के सलाहकार आनंद माधव ने किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए रवि भटनागर ने कहा जब हम कोई भी सीएसआर करते हैं तो उसमें कम्युनिटी पहले हैं लेकिन उसके बाद कंपनी और ब्रांड आता है। ऐसा नहीं है कि जब हम सीएसआर करते हैं तो कंपनी को फायदा नहीं होता है। श्री भटनागर ने कहा कि बिहार में सीएसआर की बहुत आवश्यकता है। बिहार में सीएसआर के

लिए एक संस्था बनाने की आवश्यकता है जिसका समर्थन इंडिया सीएसआर के संस्थापक रुसैन कुमार और डॉ राणा सिंह ने भी किया। परिचर्चा में बोलते हुए इंडिया सीएसआर के संस्थापक रूसैन कुमार ने बिहार में सीएसआर पर एक बड़ा सम्मेलन सेंटर फॉर सीएसआर स्टडीज के साथ मिलकर करने की बात की जिसमें उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश रहेगी कि सीएसआर फंड को हमलोग बिहार के विकास के लिए कैसे ज्यादा उपयोग कर पाएं इसके लिए एक पोर्टल बनाने की भी घोषणा की। इसके उपरांत कॉन्फ्रेंस कमेटी के सदस्य प्रोफेसर एस सेनापति ने कांफ्रेंस के सार को बताया। कॉन्फ्रेंस में बेस्ट पेपर का अवार्ड सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार के पीएचडी स्कॉलर आयुष आनंद को उनके पेपर %सीएसआर एक्टिविटीज थ्रू पार्टिसिपेटरी कम्युनिकेशन एन एक्शन रिसर्च टू स्ट्रेनदेन गवर्नमेंट एजुकेशन सिस्टम% के लिए मिला। पुरस्कार स्वरूप सर्टिफिकेट एवं दस हजार का चेक अतिथि के हाथों दिया गया। सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट एक्सआईएसआर के निदेशक डॉक्टर जोश कलापुरा एवं 2021 के कन्वेनर राजीव रंजन के हाथों दिया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन सेंटर फॉर सोशल स्टडीज के कोऑर्डिनेटर एवं 2021 के कन्वेनर कुमोद कुमार ने किया।

AAJ ! Page.No-8 ! Dated:13-12-2021

CSR benefits not only the society but equally benefits the company too: Ravi Bhatnagar

OUR CORRESPONDENT

PATNA: The two-day international conference 'International Conference on Corporate Social Responsibility Inclusive Development and Welfare' (ICCSR 2021) organized under the aegis of Center for CSR Studies, CIMP concluded today. The technical session of the second day of the conference was presided over by Dr Rana Singh, Vice Chancellor of Sanskriti University, Mathura.

A total of 7 papers were presented in the third technical session. After the technical session, a panel discussion was organized in which Ravi Bhatnagar (Director CSR and External Affairs, Rackitt Benckiser), Rusen Kumar (Founder, The India CSR) and Dr Rana Singh (Vice Chancellor of Sanskriti University) participated. The topic of discussion was 'The Changing imperatives of CSR in Post Covid Era'. The discussion was moderated by Anand Madhav, Advisor, Center for CSR Studies, CIMP.

Speaking as the Chief Guest of the closing ceremony, Ravi Bhatnagar said, "When we do any CSR, the community comes first and then comes the company and the brand in the process. It is not that the case that the company is not benefitted when they do CSR." Bhatnagar said that there is a dearth of good CSR projects in Bihar. There is a need to create a state institution for CSR in Bihar and this idea was even supported by Rusen Kumar and Dr Rana Singh.

While speaking during the discussion, Rusen Kumar talked about organizing a big conference on CSR in Bihar in association with Center for CSR Studies, CIMP in near future. Its motive would be attracting, bringing and using CSR funds for the development of Bihar. He also announced the creation of a state-level portal for routing of CSR projects to the state.

After the panel discussion, Professor S Senapati, a member of the Conference Committee, explained the essence of the conference. The Best Paper Award for the conference went to Ayush Anand, PhD Scholar, Central University of South Bihar for his paper titled 'CSR Activities through Participatory Communication: An Action Research to Strengthen Government Education System'.

A certificate and a cheque of ten thousand was given by the guest. Certificates of Participation were also given to all the participants jointly by Dr Josh Kalapura, Director, XISR and Rajeev Ranjan, Convenor, ICCSR. At the end of the ceremony, the vote of thanks was given by Kumod Kumar, Coordinator of Center for CSR Studies and Convener of ICCSR 2021.

Morning India ! Page.No-3 ! Dated:13-12-2021

सीएसआर से कंपनी को भी फायदा : रवि भटनागर

कॉन्फ्रेंस में अपनी बात रखते वक्ता.

सीआईएमपी के तत्वाधान में दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस

patna@inext.co.in

PATNA(12 Dec): सेंटर फॉर सीएसआर स्टडीज, सीआईएमपी के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी इंक्लूसिव डेवलपमेंट एंड वेलफेयर (**ICCSR** 2021) आज संपन्न हो गया. कांफ्रेंस के दूसरे दिन तकनीकी सत्र की अध्यक्षता संस्कृति विश्वविद्यालय के वीसी डॉ राणा सिंह ने किया. तृतीय तकनीकी सत्र में 7 पेपर प्रस्तुत किए गए. तकनीकी सत्र के बाद एक पैनल परिचर्चा हुई. जिसमें रैकिट्ट बेंकाइजर के निदेशक- सीएसआर रवि भटनागर, इंडिया सीएसआर के फाउंडर रूशेन कुमार और वीसी डॉ राणा सिंह शामिल हुए. परिचर्चा का विषय- द चेंजिंग इंपरेटिव ऑफ सीएसआर पोस्ट कोविड एरा. परिचर्चा का संचालन सेंटर फॉर सीएसआर स्टडीज के सलाहकार आनन्द माधव ने किया.

सीएसआर में कम्युनिटी पहल

चीफ गेस्ट रवि भटनागर ने कहा जब हम कोई भी सीएसआर करते हैं तो उसमें कम्युनिटी पहले है लेकिन उसके बाद कंपनी और ब्रांड आता है. ऐसा नही है कि जब हम सीएसआर करते हैं तो कंपनी को फायदा नही होता है. बेस्ट पेपर का अवार्ड सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार के पीएचडी स्कॉलर आयुष आनंद को उनके पेपर सीएसआर एक्टिविटीज थ्रू पार्टिसिपेटरी कम्युनिकेशन एन एक्शन रिसर्च टू स्ट्रेनदेन गवर्नमेंट एजुकेशन सिस्टम के लिए मिला. धन्यवाद ज्ञापन सेंटर फॉर सोशल स्टडीज के कोऑर्डिनेटर कुमोद कुमार ने किया.

I-Next ! Page.No-2 ! Dated:13-12-2021

सीएसआर से सिर्फ समाज ही नहीं, कंपनी को भी फायदा

सीआइएमपी में सीएसआर पर दो दिवसीय कान्फ्रेंस संपन्न, बिहार में सीएसआर के लिए एक संस्था बनाने की आवश्यकता पर बल

जासं, पटना : सीएसआर से सिर्फ समाज को ही नहीं कंपनी को भी उतना ही फायदा होता है। कोई सीएसआर करते हैं तो उसमें समाज, कंपनी व ब्रांड भी आता है। ये बातें चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि रवि भटनागर ने कहीं।

उन्होंने कहा कि बिहार में सीएसआर की बहुत आवश्यकता है। बिहार में सीएसआर के लिए एक संस्था बनाने की आवश्यकता है। इसका समर्थन इंडिया सीएसआर के संस्थापक रुसैन कुमार और डा. राणा सिंह ने भी किया। दूसरे दिन के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलपति डा. राणा सिंह ने किया। तृतीय तकनीकी सत्र में सात पेपर प्रस्तुत किए गए। तकनीकी सत्र के उपरांत एक पैनल परिचर्चा का आयोजन किया गया। इसमें रैकिट्ट बेंकाइजर के निदेशक सीएसआर रवि भटनागर, इंडिया सीएसआर के फाउंडर रूसैन कुमार भी शामिल हुए। द चेंजिंग इंपरेटिव आफ सीएसआर पोस्ट कोविड एरा। परिचर्चा का संचालन सेंटर फार सीएसआर स्टडीज के सलाहकार आनंद माधव ने किया।

सीयूएसबी के शोध छात्र को बेस्ट पेपर अवार्ड : इंडिया सीएसआर के संस्थापक रुसैन कुमार ने बिहार में सीएसआर पर एक बड़ा सम्मेलन सेंटर फार सीएसआर स्टडीज के साथ मिलकर करने की बात की। उन्होंने कहा कि कोशिश रहेगी कि सीएसआर फंड को हमलोग बिहार के विकास के लिए कैसे ज्यादा उपयोग कर पाएं इसके लिए एक पोर्टल बनाने की भी घोषणा की। कांफ्रेंस में बेस्ट पेपर का अवार्ड सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ साउथ बिहार के पीएचडी स्कालर आयुष आनंद को मिला।

Dainik Jagran ! Page.NO-4
Dated:13-12-2021

बिहार में सीएसआर की है जरूरत : रवि भटनागर

पटना। सीआईएमपी के सेंटर फॉर सीएसआर स्टडीज की ओर से आयोजित दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस रविवार को संपन्न हो गया। मुख्य अतिथि रवि भटनागर ने कहा कि जब हम कोई भी सीएसआर करते हैं तो उसमें कम्युनिटी पहले हैं। उसके बाद कंपनी और ब्रांड आता है। ऐसा नहीं है कि जब हम सीएसआर करते हैं तो कंपनी को फायदा नहीं होता है। भटनागर ने कहा कि बिहार में सीएसआर की बहुत आवश्यकता है। बिहार में सीएसआर के लिए एक संस्था बनाने की आवश्यकता है। इसका समर्थन इंडिया सीएसआर के संस्थापक रुसैन कुमार और डॉ. राणा सिंह ने भी किया। इंडिया सीएसआर के संस्थापक रूसैन कुमार ने इसके लिए एक पोर्टल बनाने की भी घोषणा की।

कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राणा सिंह ने की। परिचर्चा का संचालन सेंटर फॉर सीएसआर स्टडीज के सलाहकार आनंद माधव ने किया।

Hindustan (Hindi) Page.No-6
Dated:13-12-2021

आइसीसीएसआर 2021 ● **कॉन्फ्रेंस का हुआ समापन, तकनीकी सत्र में कुल सात पेपर प्रस्तुत किये गये**

सीएसआर से कंपनी व समाज दोनों को फायदा

संवाददाता ▷ पटना

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआइएमपी) के सेंटर फॉर सीएसआर स्टडीज की ओर से दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी इंक्लूसिव डेवलपमेंट एंड वेलफेयर' (आइसीसीएसआर 2021) का समापन रविवार को हुआ. कॉन्फ्रेंस के अंतिम दिन के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ राणा सिंह ने किया. तृतीय तकनीकी सत्र में कुल सात पेपर प्रस्तुत किये गये. तकनीकी सत्र बाद एक पैनल डिस्कशन हुआ, जिसमें रैकिट्ट बेंकाइजर के निदेशक-सीएसआर रवि भटनागर, इंडिया सीएसआर के फाउंडर रूशेन कुमार एवं संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ राणा सिंह शामिल हुए. परिचर्चा का विषय- द चेंजिंग इंपरेटिव ऑफ सीएसआर पोस्ट कोविड एरा' था. परिचर्चा का संचालन सेंटर फॉर सीएसआर स्टडीज के सलाहकार आनंद माधव ने किया. समापन समारोह के मुख्य अतिथि के तौर पर रवि भटनागर ने कहा जब हम कोई भी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) करते हैं तो उसमें कम्युनिटी पहले हैं, लेकिन उसके बाद कंपनी और ब्रांड आता है. ऐसा नहीं है कि जब हम सीएसआर करते हैं, तो कंपनी को फायदा नहीं होता है. भटनागर ने कहा कि बिहार में सीएसआर की बहुत आवश्यकता है.

फंड को लेकर एक पोर्टल बनाने की भी हुई घोषणा

बिहार में सीएसआर के लिए एक संस्था बनाने की आवश्यकता है, जिसका समर्थन इंडिया सीएसआर के संस्थापक रूसैन कुमार और डॉ राणा सिंह ने भी किया. परिचर्चा में बोलते हुए इंडिया सीएसआर के संस्थापक रूसैन कुमार ने बिहार में सीएसआर पर एक बड़ा सम्मेलन सेंटर फॉर सीएसआर स्टडीज के साथ मिलकर करने की बात की, कहा कि सीएसआर फंड को हमलोग बिहार के विकास के लिए कैसे ज्यादा उपयोग कर पाएं, इसके लिए एक पोर्टल बनाने की भी घोषणा की. कॉन्फ्रेंस कमेटी के सदस्य प्रोफेसर एस सेनापति ने कॉन्फ्रेंस के सार को बताया.

दिया गया बेस्ट पेपर का अवार्ड

कॉन्फ्रेंस में बेस्ट पेपर का अवार्ड सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार के पीएचडी स्कॉलर आयुष आनंद को उनके पेपर 'सीएसआर एक्टिविटीज थ्रू पार्टिसिपेटरी कम्युनिकेशन : एन एक्शन रिसर्च टू स्ट्रेनदेन गवर्नमेंट एजुकेशन सिस्टम' के लिए मिला. पुरस्कार स्वरूप सर्टिफिकेट एवं दस हज़ार का चेक अतिथि के हाथों दिया गया. सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट एक्सआइएसआर के निदेशक डॉक्टर जोश कलापुरा एवं आइसीसीएसआर 2021 के कन्वेनर राजीव रंजन के हाथों दिया गया.

Prabhat Khabar ! Page.NO-05 ! Dated:13-12-2021